UP News

Date:25.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव, डॉ0 आशीष सेठी एवं डॉ0 हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई।

Sign: _____

Dental Library

_____

Director- Principal

उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया।श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए।संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कार्यशाला के पहले दिन प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया।इसके अतिरिक्त डॉ0 हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया।दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।

दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ0 आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की।प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली।

संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Hint Media

Date:25.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-आॅन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव, डॉ. आशीष सेठी एवं डॉ. हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई।उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।यह कार्यक्रम आई.टी.एस-

द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए।संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।कार्यशाला के पहले दिन प्रो. डॉ. सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।डॉ. आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया।इसके अतिरिक्त डॉ. हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया।दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-आॅन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ0 आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-आॅन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली।

संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Pahal Today

Date:26.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज - गाजियाबाद

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

पहल टुडे

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव, डॉ0 आशीष सेठी एवं डॉ0 हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सके। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ0 हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया। दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ0 आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Dhara News Samvaddata

Date:26.02.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी कार्यशाला

धारा न्यूज संवाददाता, गाजियाबाद

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 24 से 25 फरवरी 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें दंत चिकित्सक एवं एमडीएस के विद्यार्थी शामिल रहे।

कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट सचिन देव, आशीष सेठी एवं हरमनप्रीत कौर द्वारा किया गया। विशेषज्ञों ने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी एवं इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर अपने अनुभव साझा करते हुए जटिल क्लीनिकल परिस्थितियों में उपचार के प्रभावी तरीकों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना रहा। पहले दिन इंप्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया, वहीं चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल, रोगी चयन, तथा प्टेरीगॉइड इंप्लांट्स की फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष सत्र आयोजित हुए। डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण के साथ मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।

दूसरे दिन प्रोस्थेटिक विचार, प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट, क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग एवं इमीडिएट लोडिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इंप्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र कार्यशाला का मुख्य आकर्षण रहा।

यह कार्यशाला आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने आधुनिक, साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों पर अद्यतन ज्ञान प्राप्त करने के लिए संस्थान एवं समूह के चेयरमैन आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date:26.02.2026

कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव, डॉ० आशीष सेठी एवं डॉ० हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लाटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ० हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।

दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ० आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date:26.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव, डॉ० आशीष सेठी एवं डॉ० हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ० हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया। दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ० आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली।संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Hint

Date:26.02.2026

आईटीएस में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर आयोजित हुई दो दिवसीय कार्यशाला

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कालेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग की ओर से दो दिवसीय कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित कर दिखाया। प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो डॉ सचिन देव, डॉ0 आशीष सेठी एवं डॉ0 हरमनप्रीत कौर ने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साँझा किये। यह तकनीक विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। डॉ आशीष सेठी व डॉ0 हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस मौके पर मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा। ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर .पी . चड्ढा तथा वाईस चेयरमैनअर्पित चड्ढा के सहयोग को भी सराहा गया।

Sign: _____

Dental Library

_____

Director- Principal

Yug Karvat

Date:26.02.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में हुई कार्यशाला

गाजियाबाद (युग करवट)। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट डॉक्टर सचिन देव, आशीष सेठी एवं हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यशाला के पहले दिन सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे दिन आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Hindustan Hindi

Page No.04(Gzb) Date:26.02.2026

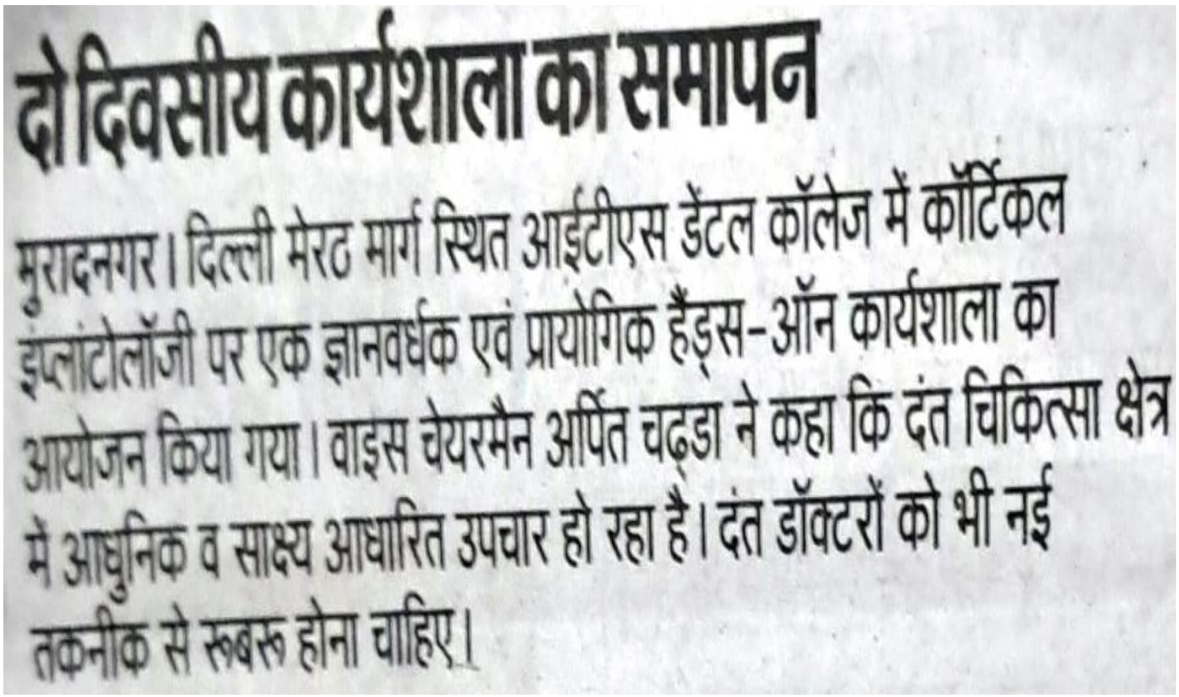

दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा ने कहा कि दंत चिकित्सा क्षेत्र में आधुनिक व साक्ष्य आधारित उपचार हो रहा है। दंत डॉक्टरों को भी नई तकनीक से रूबरू होना चाहिए।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Buland Sadesh

Date:26.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे। जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव, डॉ.आशीष सेठी एवं डॉ. हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई।

उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था। जिससे

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi Samvaddata

Date:26.02.2026

आईटीएस में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। उन्नत दंत उपचार तकनीकों को बढ़ावा देने और चिकित्सकीय कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर दो दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस. विद्यार्थी शामिल रहे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में दक्षता प्राप्त करना चाहते थे। कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव, डॉ. आशीष सेठी तथा डॉ. हरमनप्रीत कौर द्वारा किया गया। विशेषज्ञों ने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स तथा जटिल परिस्थितियों में सफल उपचार रणनीतियों पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे कठिन क्लीनिकल स्थितियों में बेहतर उपचार संभव हो सके। पहले दिन प्रो. डॉ. सचिन देव ने इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. आशीष सेठी ने चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल और रोगी चयन मानदंडों की जानकारी दी। डॉ. हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण तथा मरीजों पर लाइव सर्जरी प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। बुधवार को दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा। डॉ. आशीष सेठी ने क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट के हैंड्स-ऑन सत्र ने प्रतिभागियों को वास्तविक समय का क्लीनिकल अनुभव प्रदान किया और उन्हें आत्मविश्वास के साथ कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाएं करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। उनका मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों ने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के नवीनतम दृष्टिकोणों का ज्ञान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया तथा संस्थान द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उन्नत उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता की सराहना की।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date:26.02.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 24 से 25 फरवरी तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो डॉ सचिन देव, डॉ आशीष सेठी एवं डॉ हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें। यह कार्यक्रम आई.टी.एस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो डॉ सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर- मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया। दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Loktantra Vani Samvaddata

Date:26.02.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर कार्यशाला

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा 24 से 25 फरवरी 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर दो दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के दंत चिकित्सकों और एमडीएस विद्यार्थियों सहित कुल 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव, डॉ. आशीष सेठी और डॉ. हरमनप्रीत कौर ने किया, जिन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित हुआ, जिन्होंने आधुनिक और साक्ष्य आधारित उपचार पद्धतियों से चिकित्सकों को निरंतर अद्यतन रहने पर बल दिया। कार्यशाला के पहले दिन प्रो. डॉ. सचिन देव ने इम्प्लांट प्लेसमेंट और रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया, डॉ. आशीष सेठी ने क्लीनिकल प्रोटोकॉल और रोगी चयन की प्रक्रिया समझाई तथा डॉ. हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की फ्लैपलेस तकनीक पर जानकारी दी। प्रतिभागियों को डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया गया और मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी कराया गया। दूसरे दिन डॉ. आशीष सेठी ने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार और प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर विस्तार से चर्चा की तथा प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग और इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट के हैंड्स-ऑन सत्र ने प्रतिभागियों को वास्तविक क्लीनिकल अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

Date:26.02.2026

आईटीएस में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन

मनस्वी वाणी सवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक दो दिवसीय कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया । जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एमडीएस के विद्यार्थी शामिल थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव, डॉ० आशीष सेठी एवं डॉ० हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है ।कार्यशाला के पहले दिन प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ० हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ० आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: _____ _____

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samachar

Date:26.02.2026

आई .टी .एस डेंटल कॉलेज में कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ रोड स्थित आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे।

कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो0 डॉ0 सचिन देव, डॉ0 आशीष सेठी एवं डॉ0 हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें। यह कार्यक्रम आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य-आधारित उपचारपद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो0 डॉ0 सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ0 हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर-मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।

दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटेलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ0 आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों को क्लीनिकल वर्कफ्लो, प्रोस्थेटिक प्लानिंग तथा इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण विशेषज्ञों की निगरानी में मरीजों पर इम्प्लांट प्लेसमेंट का हैंड्स-ऑन सत्र रहा, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक समय में क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हुआ और कॉर्टिकल इम्प्लांट प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास के साथ करने की प्रेरणा मिली। संस्थान सदैव उन्नत उपचार पद्धतियों को अपनाने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान का ओरल इंप्लांटेलॉजी विभाग अत्याधुनिक अवसंरचना एवं तकनीक से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ कॉर्टिकल इंप्लांटेलॉजी उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Vartman Satta

Date:26.02.2026

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

वर्तमान सत्ता

गाजियाबाद। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 फरवरी, 2026 तक कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक हैंड्स–ऑन कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यशाला में 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक एवं एम.डी.एस के विद्यार्थी शामिल थे, जो उन्नत इंप्लांटोलॉजी तकनीकों में अपने क्लीनिकल कौशल को विकसित करने के इच्छुक थे। कार्यशाला प्रतिष्ठित कॉर्टिको–बेसल इम्प्लांटोलॉजिस्ट प्रो० डॉ० सचिन देव, डॉ० आशीष सेठी एवं डॉ० हरमनप्रीत कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी तथा

इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल्स पर प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव साझा किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसल एवं कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी की उन्नत अवधारणाओं को स्पष्ट करना था, जिससे जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार किया जा सकें।

यह कार्यक्रम आई.टी. एस–द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री अर्पित चड्ढा का मानना है कि दंत चिकित्सकों को आधुनिक एवं साक्ष्य–आधारित उपचार पद्धतियों से निरंतर अद्यतन रहना चाहिए। संस्थान द्वारा इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के माध्यम से मौखिक पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है तथा कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विशेष रूप से कमजोर हड्डी संरचना वाले मरीजों के लिए प्रभावी एवं विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है। कार्यशाला के पहले दिन प्रो० डॉ० सचिन देव द्वारा प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट एवं रिस्टोरेशन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। डॉ आशीष सेठी ने प्रतिभागियों को चरणबद्ध क्लीनिकल प्रोटोकॉल एवं रोगी चयन के मानदंडों से अवगत कराया। इसके अतिरिक्त डॉ० हरमनप्रीत कौर ने प्टेरीगॉइड इम्प्लांट्स की पेटेंटेड फ्लैपलेस तकनीक पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें बिना बोन ग्राफ्टिंग के पोस्टीरियर– मैक्सिलरी क्षेत्र के पुनर्वास के लाभों पर प्रकाश डाला गया। दिन के अंत में डमी मॉडल पर हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को इम्प्लांट प्लेसमेंट की तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मरीजों पर लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया गया।

दूसरे दिन का मुख्य फोकस कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी में प्रोस्थेटिक विचार एवं प्रोस्थेसिस कॉन्सेप्ट पर रहा, जिस पर डॉ० आशीष सेठी ने विस्तार से चर्चा

Sign: _____

Dental Library

_____

Director- Principal